Antarvasna™
अन्तर्वासना

मौसी की बेटी की चूत में लंड पूजन

“मैं कमरा किराए पे लेकर ग्वालियर में पढ़ रहा था कि मेरी मौसी की बेटी ग्वालियर मेला देखने आई और मेरे पास रुकी. जब हम मेले से घूम कर लौटे तो मैं बाथरूम में चला गया और वो कमरे में कपड़े बदलने लगी… जब मैं बाथरूम से निकला वो नंगी खड़ी थी… उसके बाद क्या हुआ.. …”

Story By: रामशरण शर्मा (ramsharan)
Posted: Thursday, May 21st, 2015
Categories: भाई बहन
Online version: मौसी की बेटी की चूत में लंड पूजन

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मौसी की बेटी की चूत में लंड पूजन

नमस्त भाइयो तथा सभी प्रकार की चूतों को सादर प्रणाम !
मेरा नाम राम है, मैं ग्वालियर मैं रहता हूँ, मेरी उम्र 24 साल है और मेरा कद 5'9" है।
अब मैं अपने मुँह से अपनी तारीफ क्या करूँ, मेरे कॉलेज में सभी लड़कियाँ मुझ पर मरती हैं।
अब सीधे बात पर आता हूँ।

बात उस समय की है जब मैं 12वीं का छात्र था। मैं उस समय पहली बार ग्वालियर आया था। इसलिए दिल में अजीब सा महसूस कर रहा था।
मैं उस समय किराये से मकान में अकेला रहता था, ठंड का समय था और मैं अकेला रहता था।
ग्वालियर का मेला शुरू हो रहा था, मेरी मौसी की लड़की मेला देखने के लिए ग्वालियर आई और मेरे कमरे पर ही कुछ दिनों के लिए रुक गई।
मेरी मौसी की 3 लड़कियाँ हैं, सबसे बड़ी लड़की मुझसे दो साल छोटी है जो मेरे पास ग्वालियर आई हुई थी।
वह बहुत सुंदर और सेक्सी हौ, उसका फिगर 32-26-32 है और उसके स्तन बहुत सख्त हैं।
और ब्रा के बिना भी सलवार शूट में साफ दिखाई देते हैं, टेनिस की बॉल जैसे दिखते हैं।

एक शाम को उसने मुझसे मेला घुमाने के लिए कहा और मैं तैयार हो गया।
हमने मेले में खूब मस्ती की और खाना भी वहीं खा लिया। हम बहुत थक चुके थे।

मैं बाथरूम में पेशाब करने के लिए गया था और मेरी मोसी की लड़की निशा ने सोचा कि मैं बाहर गया हूँ। इसलिए वह बेधड़क कपड़े बदलने लगी। मेरा बाथरूम अटैच था।
निशा अपना कमीज उतार रही थी कि इतने में मैं वहाँ पहुँच गया और मैंने उसके उभारों को

देखा।

मेरे तो होश ठिकाने नहीं रहे, मैं उसे एकटक देखे जा रहा था। इससे पहले मैंने कभी ऐसा नजारा नहीं देखा था।

वह कपड़े शीशे के सामने खड़े होकर उतार रही थीं और जाने क्या गुनगुना रही थी।

निशा ने जैसे ही मुझे देखा वह अचानक सिमट गई और थोड़े कड़क स्वर में बोली- भाई, आप क्या देख रहे हो ?

मुझे समझ नहीं आया कि अचानक क्या हुआ... मेरी नींद सी खुली और मैं बाहर पोर्च में चला गया।

असल में मेरे पास एक ही रूम तथा रसोई थी, थोड़ी देर बाद मैं वापिस आया, मैंने निशा से कहा- सर्दी बहुत है चाय बना लो। फिर आराम करेंगे।

वह चाय बना कर लाई, उसने मेरी तरफ देखा और एक अजीब सी मुसकुराहट दी और फिर सो गई।

मेरे एग्ज़ाम करीब थे इसलिए मैं टेबल पर पढ़ने बैठ गया पर मन ही नहीं लग रहा था इसलिए मैं भी निशा के साथ लेट गया।

क्योंकि मैं अकेला रहता था इसलिए मेरे पास अधिक सामान नहीं थे, पलंग भी एक ही था और बिस्तर भी एक।

मुझे नींद नहीं आ रही थी, मेरी आँखों के सामने बार-बार वही नजारा घूम रहा था।

तभी निशा ने करवट मेरी ओर ली और अपना एक हाथ और पैर मेरे ऊपर रख लिया और मेरे होटों के पास उसका मुंह आ गया।

अचानक उसकी साँसें तेज हो गई।

शायद वह भी सोयी नहीं थी, उसकी तेज साँसों से मेरे कानों में गर्म हवा जा रही थी जिससे

मेरा भी लन्ड खड़ा हो गया और मैंने हिम्मत जुटाकर निशा के होंठ अपने होंठों में भर लिए और चुम्बन करने लगा।

वह भी मुझसे नागिन की तरह लिपट गई तो मैं उसके थानजों (बूब्ज़) को सहलाने लगा। वह भी कम नहीं थी उसने भी मेरा लन्ड पकड़ लिया। मेरा लंड पकड़ के बोली- भाई, यह लंड है या हाथी की सूंड ?

मै धीरे से मुसकुराया और कहा- जैसा भी है, अब तुम्हारा है।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
मेरा लंड 8″ का है। वह भी मुस्कुरा दी, अब मैं उसकी चूत सहलाने लगा, वह जोर-जोर से सिसकारियाँ भरने लगी, मुझे जोश आ गया और मुझसे रहा नहीं गया और मैंने उसके कपडे फाड़ दिए, और अपना लंड उसकी चूत में जोरदार ठोकर देकर घुसा दिया।

निशा की जोरदार चीख निकल गई और मैंने उसका मुँह होंठों से बंद कर दिया।
मैंने उसकी ब्रा भी फाड़ दी और उसका दूध पीने लगा।
कमरा 'उईई... आअह्ह... ह्हह्ह... आह्ह ऊँह्ह्ह स्स्स्स... की आवाजों से भर गया।
मेरे लंड की ठोकर के साथ-साथ आवाजें भी बढ़ने लगी थीं।
थोड़ी देर बाद हम झड़ गए।
हमने रात भर चुदाई का नंगा नाच खेला, सुबह हुई और देखा कि बिस्तर और कपड़े खून से सने थे।
असल में हम दोनों ने पहली बार सेक्स किया था इसलिए हमारी सील टूट गई थी।
अब तो हमें चुदाई का चस्का लग गया और रोज निशा को चोदता था।

निशा 3-4 दिनों के लिए आई थी मगर 15 दिनों तक रुकी।

मैं अपने पाठकों को बताना चाहता हूँ कि मैं कमसिन लड़कियों की चुदाई मुफ़्त में करता हूँ।

मेरी कहानी एकदम सत्य है। मैं पहली बार अपनी कहानी लिख रहा हूँ इसलिए मेरी कहानी पसंद आई या नहीं, मुझे ram090939@gmail.com पर लिखकर भेजें।

Other stories you may be interested in

साली का भीगा बदन

दोस्तो, मैं आपका राज, मैंने अपनी साली के साथ दोबारा सेक्स किया, साली को दुबारा कैसे चोदा वह किस्सा सुनाने आया हूँ। इससे पहली की मेरी कहानी साली की चुदाई करके सील तोड़ी में आप पढ़ चुके हैं कि कैसे […]

Full Story >>>

वासना के वशीभूत होकर चुद गयी

दोस्तो, मेरी पहली कहानी चुत चुदाई की चाहत में उसने मुझे घर बुलाया आप सबने पढ़ी और उसे सराहा. उसके लिए आप सबका शुक्रिया. हालाँकि कहानी के बाद बहुत सारे ईमेल आए.. ऐसा कहना वाजिब नहीं होगा, पर यह कहना […]

Full Story >>>

भाई बहन ननदोई सलहज का याराना-11

धीरे-धीरे श्लोक के धक्कों की गति इतनी बढ़ गई कि रीना का पूरा शरीर जोर जोर से ऊपर नीचे हिलने लगा जिसके कारण मुझे अब धक्के लगाने की जरूरत नहीं थी, मेरा लिंग अपने आप ही रीना की गांड से […]

Full Story >>>

गाँव की गोरियाँ देसी छोरियां

सुबह के 9 बज रहे थे मुझे पुणे से अपने गांव जाने के लिये बस लेनी थी तो मैं बस स्टैंड पहुंच गया। मै आज बहुत दिन बाद अपने गांव जा रहा था! बस लगी हुई थी, मैं बैठ गया […]

Full Story >>>

बहन की चुत चोद कर सेक्स का पहला अनुभव

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम प्रकाश सिंह है. मैं छत्तीसगढ़ के एक गांव में निवास करता हूँ. मेरी जिंदगी की पहली बार सेक्स की कहानी है यह … यह कहानी मेरी और मेरे चाचा की बेटी की है. इसमें मैं आपको […]

Full Story >>>